श्री हुद्ध माता त्रिसंध्या यात्रा प्रबंधक कमेटी दच्छन किश्तवाड़ (पंजीकृत)

हुद्ध माता कलैन्डर वर्ष 2023-24 (विक्रमी-2080)

श्री हुद्ध माता

श्री त्रिसंध्या माता

मास	संक्राति	एकादशी व्रत	सत्यनारायण व्रत	पूर्णिमा व्रत	अमावस व्रत	पंचक प्रारम्भ	पंचक समाप्त	ग्रहण
अप्रैल	14	1	5	6	20	19 मार्च 11.17 प्रातः	23 मार्च 2.08 सांय	
मई		1	4	5	19	15 अप्रैल 6.44 सांय	19 अप्रैल 11.53 रात्रि	खणास सूर्य ग्रहण 20 अप्रैल

चैत्र विक्रमी-2080 — March / April - 2023

रवि SUN	सोम MON	मंगल TUE	बुध WED	गुरु THU	शुक्र FRI	शनि SAT
			मार्च 22 चैत्र शुक्ल एकम चैत्र-9	मार्च 23 चैत्र शुक्ल द्वितीया चैत्र-10	मार्च 24 चैत्र शुक्ल तृतीया चैत्र-11	मार्च 25 चैत्र शुक्ल चतुर्थी चैत्र-12
मार्च 26 चैत्र शुक्ल पंचमी चैत्र-13	मार्च 27 चैत्र शुक्ल षष्टी चैत्र-14	मार्च 28 चैत्र शुक्ल सप्तमी चैत्र-15	मार्च 29 चैत्र शुक्ल अष्टमी चैत्र-16	मार्च 30 चैत्र शुक्ल नवमी चैत्र-17	मार्च 31 चैत्र शुक्ल दशमी चैत्र-18	अप्रैल 1 चैत्र शुक्ल एकादशी चैत्र-19
अप्रैल 2 चैत्र शुक्ल द्वादशी चैत्र-20	अप्रैल 3 चैत्र शुक्ल द्वादशी चैत्र-21	अप्रैल 4 चैत्र शुक्ल त्र्योदशी चैत्र-22	अप्रैल 5 चैत्र शुक्ल चतुर्दशी चैत्र-23	अप्रैल 6 चैत्र शुक्ल पूर्णिमा चैत्र-24	अप्रैल 7 बैशाख कृष्ण एकम चैत्र-25	अप्रैल 8 बैशाख कृष्ण द्वितीया चैत्र-26
अप्रैल 9 बैशाख कृष्ण तृतीया चैत्र-27	अप्रैल 10 बैशाख कृष्ण चतुर्थी चैत्र-28	अप्रैल 11 बैशाख कृष्ण पंचमी चैत्र-29	अप्रैल 12 षष्टी का क्षय बैशाख कृष्ण सप्तमी चैत्र-30	अप्रैल 13 बैशाख कृष्ण अष्टमी चैत्र-31		

आरती श्री हुद्ध माता

ओम जय श्री हुद्ध माता, मैया जय श्री हुद्ध माता।
माँ सरस्वती द्वारा उत्पन्न श्री सती गौरी शिवा।।

1. कैलाश पति संग बैठी, छुए मन को मोहित करे। भगतन के प्रति रक्षा, सुख संपति दाता।। ओम
2. युग युग अवतरति, होके भूमि भार हरे। अपरम पार तेरी लीला, अति रोचक गाथा।। ओम
3. लोक कल्याण के हित में शिव को विवश किया। अमरनाथ गुफा में, श्रवण की अमर कथा।। ओम
4. अनादर देख के शंभू का, अति कुपित हुई माता। हवन कुण्ड में दक्ष के, त्याग दी काया।। ओम
5. क्रोधित हो गए शंभू, कंधा दिया सती को। लगी करने भस्म सृष्टि, शिव की महा ज्वाला।। ओम
6. सुदर्शन चक्र विष्णु ने चलाया, छिन्न-भिन्न अंग किए। कहीं नैना कहीं ज्वाला, अंत में हुद्ध माता।। ओम
7. त्याग और तप के कारण, एक सौ आठ जन्म लिए। हर बार शिव के हाथों, की जीवन यात्रा।। ओम
8. अमृत रूपी त्रिसंध्या, पर्वत शिखर से आती। भवसागर पार हो जाता, जो जल ग्रहण करता।। ओम
9. पर्वत पे विराजित ब्रह्मा, सृष्टि की रचना करे। ब्रह्मसर स्थित निकट में चरणों में दूधा गंगा।। ओम
10. भक्ति भाव से देवी दास आरती है गाता। निर्मल हृदय होके मनवांछित फल पाता।। ओम।।

यात्रा में यात्रियों/श्रद्धालुओं को त्रिसंध्या माता (नदी स्वरूप) के दर्शन व इस में स्नान करने का अवसर मिलता है। यह पवित्र नदी बह्मा पर्वत के सामने एक ऊंचे पर्वत की चोटी से दिन में कभी-कभी तीन बार (प्रातः, दोपहर व सायं) उतरती व बन्द हो जाती है। यह एक प्रकार का विचित्र प्राकृतिक दर्शन है। आप भी जीवन में एक बार यह यात्रा अवश्य करें।

बैशाख विक्रमी-2080 — April / May - 2023

रवि SUN	सोम MON	मंगल TUE	बुध WED	गुरु THU	शुक्र FRI	शनि SAT
मई 14 नृसिंह का क्षय बैशाख कृष्ण दशमी बैशाख-31					अप्रैल 14 बैशाख कृष्ण नवमी बैशाख-1	अप्रैल 15 बैशाख कृष्ण दशमी बैशाख-2
अप्रैल 16 बैशाख कृष्ण एकादशी बैशाख-3	अप्रैल 17 बैशाख कृष्ण द्वादशी बैशाख-4	अप्रैल 18 बैशाख कृष्ण त्र्योदशी बैशाख-5	अप्रैल 19 बैशाख कृष्ण चतुर्दशी बैशाख-6	अप्रैल 20 बैशाख कृष्ण अमावस बैशाख-7	अप्रैल 21 बैशाख शुक्ल एकम बैशाख-8	अप्रैल 22 बैशाख शुक्ल द्वतीया बैशाख-9
अप्रैल 23 बैशाख शुक्ल तृतीया बैशाख-10	अप्रैल 24 बैशाख शुक्ल चतुर्थी बैशाख-11	अप्रैल 25 बैशाख शुक्ल पंचमी बैशाख-12	अप्रैल 26 बैशाख शुक्ल षष्टी बैशाख-13	अप्रैल 27 बैशाख शुक्ल सप्तमी बैशाख-14	अप्रैल 28 बैशाख शुक्ल अष्टमी बैशाख-15	अप्रैल 29 बैशाख शुक्ल नवमी बैशाख-16
अप्रैल 30 बैशाख शुक्ल दशमी बैशाख-17	मई 1 बैशाख शुक्ल एकादशी बैशाख-18	मई 2 बैशाख शुक्ल द्वादशी बैशाख-19	मई 3 बैशाख शुक्ल त्र्योदशी बैशाख-20	मई 4 बैशाख शुक्ल चतुर्दशी बैशाख-21	मई 5 बैशाख शुक्ल पूर्णिमा बैशाख-22	मई 6 ज्येष्ठ कृष्ण एकम बैशाख-23
मई 7 ज्येष्ठ कृष्ण द्वतीया बैशाख-24	मई 8 ज्येष्ठ कृष्ण तृतीया बैशाख-25	मई 9 ज्येष्ठ कृष्ण चतुर्थी बैशाख-26	मई 10 ज्येष्ठ कृष्ण पंचमी बैशाख-27	मई 11 ज्येष्ठ कृष्ण षष्टी बैशाख-28	मई 12 ज्येष्ठ कृष्ण सप्तमी बैशाख-29	मई 13 ज्येष्ठ कृष्ण अष्टमी बैशाख-30

चैत्र नवरात्रे आरंभ	22 मार्च	श्री हनुमान जयंती	6 अप्रेल
दुर्गा अष्टमी	29 मार्च		
श्री राम नवमी	30 मार्च		

बैसाखी	14 अप्रेल	बुद्ध पूर्णिमा	5 मई
अक्षय तृतीया	22 अप्रेल		
श्री परशूराम जयंती	22 अप्रेल		

Head Office Contact :
9906245469, 8082239673,
9906192553, 9797565300

Website : www.shreehudhmatayatra.in
Email : shreehudhmata1982@gmail.com

Follow us on : YouTube

Jammu Office Contact :
8082067216, 9419206306
9906479604, 9419300164

श्री हुद्ध माता त्रिसंध्या यात्रा प्रबंधक कमेटी दच्छन किश्तवाड़ (पंजीकृत)

हुद्ध माता कलैन्डर वर्ष 2023–24 (विक्रमी–2080)

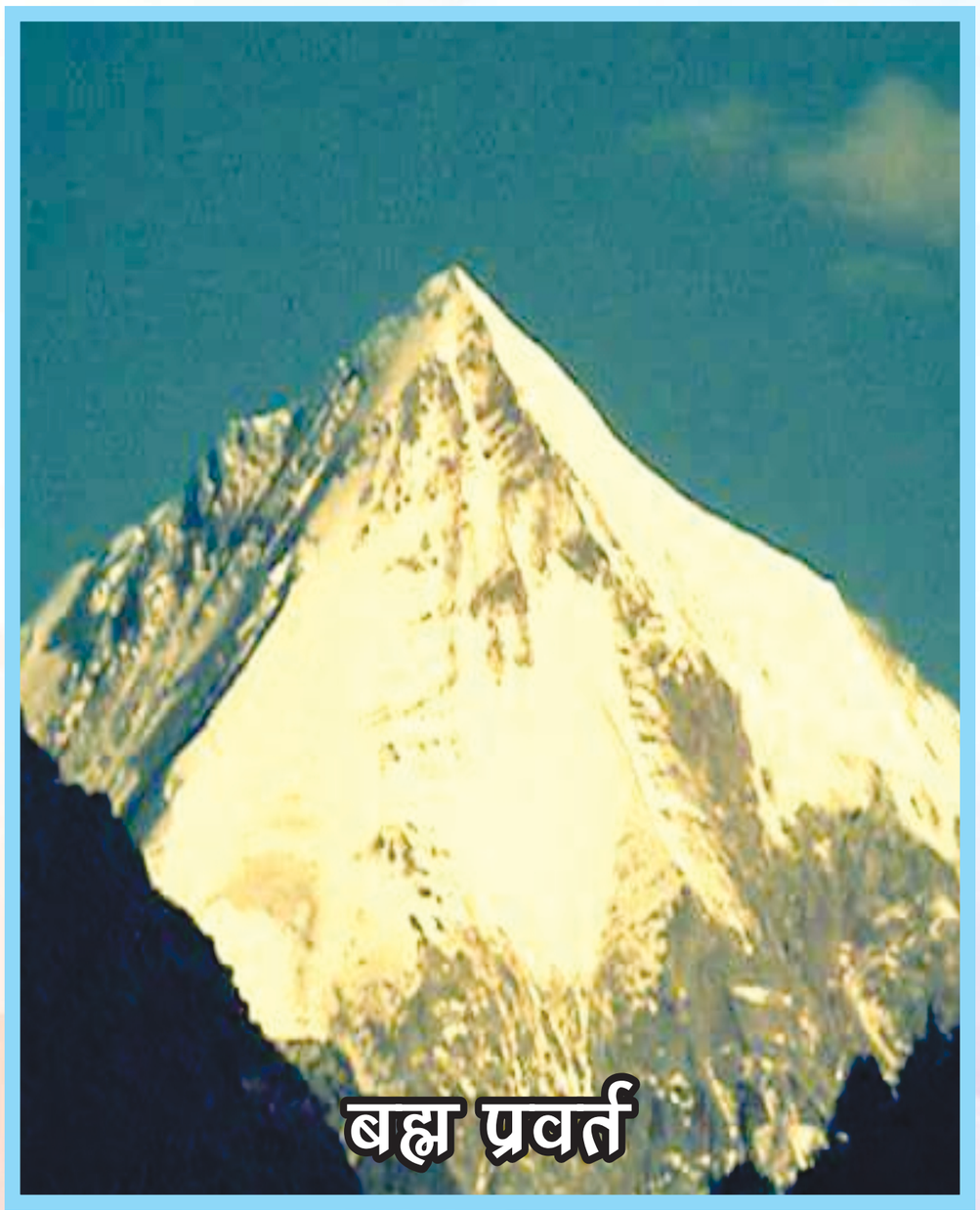

मास	संक्राति	एकादशी व्रत	सत्यनारायण व्रत	पूर्णिमा व्रत	अमावस व्रत	पंचक प्रारम्भ	पंचक समाप्त
मई/जून	15 मई	31 मई	3 जून	4 जून	18 जून	12–13 मई 12.18 प्रातः	17 मई 7.39 प्रातः
जून/जुलाई	15 जून	29 जून	2 जुलाई	3 जुलाई		9 जून 6.02 प्रातः	13 जून 1.32 सांय

ज्येष्ठ विक्रमी–2080 — May / June - 2023

रवि SUN	सोम MON	मंगल TUE	बुध WED	गुरु THU	शुक्र FRI	शनि SAT
	मई 15 ज्येष्ठ कृष्ण एकादशी ज्येष्ठ–1	मई 16 ज्येष्ठ कृष्ण द्वादशी ज्येष्ठ–2	मई 17 ज्येष्ठ कृष्ण त्रयोदशी ज्येष्ठ–3	मई 18 ज्येष्ठ कृष्ण चतुर्दशी ज्येष्ठ–14	मई 19 ज्येष्ठ कृष्ण अमावस ज्येष्ठ–5	मई 20 ज्येष्ठ शुक्ल एकम ज्येष्ठ–6
मई 21 ज्येष्ठ शुक्ल द्वतीया ज्येष्ठ–7	मई 22 ज्येष्ठ शुक्ल तृतीया ज्येष्ठ–8	मई 23 ज्येष्ठ शुक्ल चतुर्थी ज्येष्ठ–9	मई 24 ज्येष्ठ शुक्ल पंचमी ज्येष्ठ–10	मई 25 ज्येष्ठ शुक्ल षष्टी ज्येष्ठ–11	मई 26 ज्येष्ठ शुक्ल सप्तमी ज्येष्ठ–12	मई 27 ज्येष्ठ शुक्ल सप्तमी ज्येष्ठ–13
मई 28 ज्येष्ठ शुक्ल अष्टमी ज्येष्ठ–14	मई 29 ज्येष्ठ शुक्ल नवमी ज्येष्ठ–15	मई 30 ज्येष्ठ शुक्ल दशमी ज्येष्ठ–16	मई 31 ज्येष्ठ शुक्ल एकादशी ज्येष्ठ–17	जून 1 ज्येष्ठ शुक्ल द्वादशी ज्येष्ठ–18	जून 2 ज्येष्ठ शुक्ल त्रयोदशी ज्येष्ठ–19	जून 3 ज्येष्ठ शुक्ल चतुर्दशी ज्येष्ठ–20
जून 4 ज्येष्ठ शुक्ल पूर्णिमा ज्येष्ठ–21	जून 5 आषाढ़ कृष्ण एकम ज्येष्ठ–22	जून 6 द्वतीया का क्षय आषाढ़ कृष्ण तृतीया ज्येष्ठ–23	जून 7 आषाढ़ कृष्ण चतुर्थी ज्येष्ठ–24	जून 8 आषाढ़ कृष्ण पंचमी ज्येष्ठ–25	जून 9 आषाढ़ कृष्ण षष्टी ज्येष्ठ–26	जून 10 आषाढ़ कृष्ण सप्तमी ज्येष्ठ–27
जून 11 आषाढ़ कृष्ण अष्टमी ज्येष्ठ–28	जून 12 आषाढ़ कृष्ण नवमी ज्येष्ठ–29	जून 13 आषाढ़ कृष्ण दशमी ज्येष्ठ–30	जून 14 आषाढ़ कृष्ण एकादशी ज्येष्ठ–31			

निर्जला एकादशी 31 मई

आरती श्री हुद्ध माता

ओम जय श्री हुद्ध माता, मैया जय श्री हुद्ध माता।
माँ सरस्वती द्वारा उत्पन्न श्री सती गौरी शिवा।।

1. कैलाश पति संग बैठी, छुए मन को मोहित करे। भगतन के प्रति रक्षा, सुख संपति दाता।। ओम
2. युग युग अवतरति, होके भूमि भार हरे। अपरम पार तेरी लीला, अति रोचक गाथा।। ओम
3. लोक कल्याण के हित में शिव को विवश किया। अमरनाथ गुफा में, श्रवण की अमर कथा।। ओम
4. अनादर देख के शंभू का, अति कुपित हुई माता। हवन कुण्ड में दक्ष के, त्याग दी काया।। ओम
5. क्रोधित हो गए शंभू, कंधा दिया सती को। लगी करने भस्म सृष्टि, शिव की महा ज्वाला।। ओम
6. सुदर्शन चक्र विष्णु ने चलाया, छिन्न–भिन्न अंग किए। कहीं नैना कहीं ज्वाला, अंत में हुद्ध माता।। ओम
7. त्याग और तप के कारण, एक सौ आठ जन्म लिए। हर बार शिव के हाथों, की जीवन यात्रा।। ओम
8. अमृत रूपी त्रिसंध्या, पर्वत शिखर से आती। भवसागर पार हो जाता, जो जल ग्रहण करता।। ओम
9. पर्वत पे विराजित ब्रह्मा, सृष्टि की रचना करे। ब्रह्मसर स्थित निकट में चरणों में दूधा गंगा।। ओम
10. भक्ति भाव से देवी दास आरती है गाता। निर्मल हृदय होके मनवांछित फल पाता।। ओम।।

यात्रा में यात्रियों/श्रद्धालुओं को त्रिसंध्या माता (नदी स्वरूप) के दर्शन व इस में स्नान करने का अवसर मिलता है। यह पवित्र नदी बह्मा पर्वत के सामने एक ऊंचे पर्वत की चोटी से दिन में कभी-कभी तीन बार (प्रातः, दोपहर व सायं) उतरती व बन्द हो जाती है। यह एक प्रकार का विचित्र प्राकृतिक दर्शन है। आप भी जीवन में एक बार यह यात्रा अवश्य करें।

आषाढ़ विक्रमी–2080 — June / July - 2023

रवि SUN	सोम MON	मंगल TUE	बुध WED	गुरु THU	शुक्र FRI	शनि SAT
				जून 15 आषाढ़ कृष्ण द्वादशी आषाढ़–1	जून 16 आषाढ़ कृष्ण त्रयोदशी आषाढ़–2	जून 17 आषाढ़ कृष्ण चतुर्दशी आषाढ़–3
जून 18 आषाढ़ कृष्ण अमावस आषाढ़–4	जून 19 आषाढ़ शुक्ल एकम आषाढ़–5	जून 20 आषाढ़ शुक्ल द्वतीया आषाढ़–6	जून 21 आषाढ़ शुक्ल तृतीया आषाढ़–7	जून 22 आषाढ़ शुक्ल चतुर्थी आषाढ़–8	जून 23 आषाढ़ शुक्ल पंचमी आषाढ़–9	जून 24 आषाढ़ शुक्ल षष्टी आषाढ़–10
जून 25 आषाढ़ शुक्ल सप्तमी आषाढ़–11	जून 26 आषाढ़ शुक्ल अष्टमी आषाढ़–12	जून 27 आषाढ़ शुक्ल नवमी आषाढ़–13	जून 28 आषाढ़ शुक्ल दशमी आषाढ़–14	जून 29 आषाढ़ शुक्ल एकादशी आषाढ़–15	जून 30 आषाढ़ शुक्ल द्वादशी आषाढ़–16	जुलाई 1 आषाढ़ शुक्ल त्रयोदशी आषाढ़–17
जुलाई 2 आषाढ़ शुक्ल चतुर्दशी आषाढ़–18	जुलाई 3 आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा आषाढ़–19	जुलाई 4 श्रावण कृष्ण एकम आषाढ़–20	जुलाई 5 श्रावण कृष्ण द्वतीया आषाढ़–21	जुलाई 6 श्रावण कृष्ण तृतीया आषाढ़–22	जुलाई 7 चतुर्थी का क्षय श्रावण कृष्ण पंचमी आषाढ़–23	जुलाई 8 श्रावण कृष्ण षष्टी आषाढ़–24
जुलाई 9 श्रावण कृष्ण सप्तमी आषाढ़–25	जुलाई 10 श्रावण कृष्ण अष्टमी आषाढ़–26	जुलाई 11 श्रावण कृष्ण नवमी आषाढ़–27	जुलाई 12 श्रावण कृष्ण दशमी आषाढ़–28	जुलाई 13 श्रावण कृष्ण एकादशी आषाढ़–29	जुलाई 14 श्रावण कृष्ण द्वादशी आषाढ़–30	जुलाई 15 श्रावण कृष्ण त्रयोदशी आषाढ़–31

हुद्ध माता त्रिसंध्या यात्रा	20–29 जून	गुरू पूर्णिमा	3 जुलाई
हवन माता	26 जून	ब्रह्म सरोवर यात्रा	5–7 जुलाई
सरथल देवी यात्रा	26–27 जून	धनवय नाग यात्रा	5–8 जुलाई
रूद्र गंगा यात्रा	3 जुलाई		

Head Office Contact :
9906245469, 8082239673,
9906192553, 9797565300

Website : www.shreehudhmatayatra.in
Email : shreehudhmata1982@gmail.com
Follow us on : YouTube

Jammu Office Contact :
8082067216, 9419206306
9906479604, 9419300164

श्री हुद्ध माता त्रिसंध्या यात्रा प्रबंधक कमेटी दच्छन किश्तवाड़ (पंजीकृत)

हुद्ध माता कलैन्डर वर्ष 2023–24 (विक्रमी–2080)

श्री हुद्ध माता दरबार

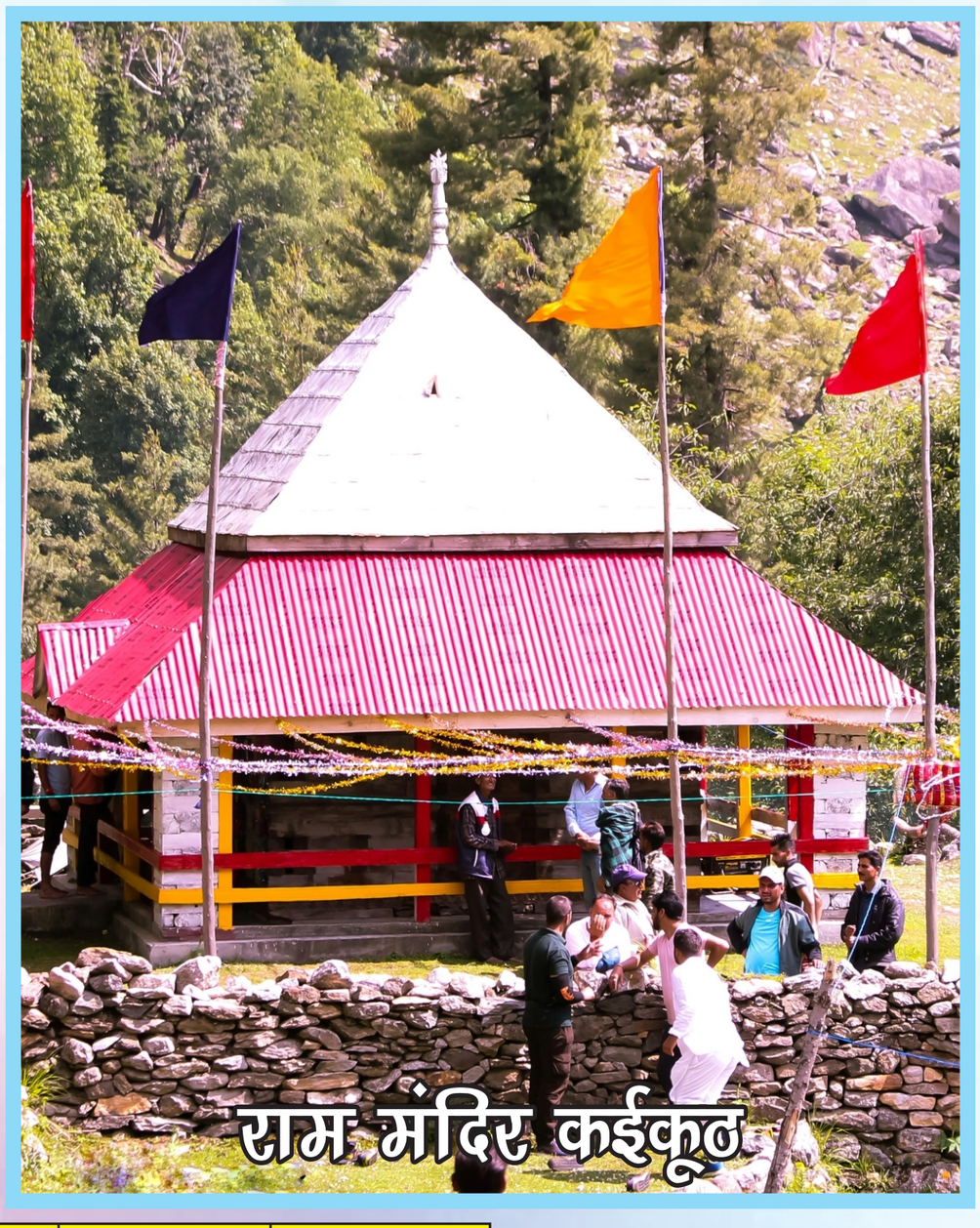

राम मंदिर कईकूल

मास	संक्राति	एकादशी व्रत	सत्यनारायण व्रत	पूर्णिमा व्रत	अमावस व्रत	पंचक प्रारम्भ	पंचक समाप्त
जुलाई अगस्त	17 जुलाई	29 जुलाई	1 अगस्त	1 अगस्त	16 अगस्त	6 जुलाई 1.38 सांय 2 अगस्त 11.26 रात्री	10 जुलाई 6.59 सांय 6–7 अगस्त 1.44 प्रातः
अगस्त सितंबर	17 अगस्त	27 अगस्त	30 अगस्त	31 अगस्त	15 सितंबर	30 अगस्त 10.19 प्रातः	3 सितंबर 10.38 प्रातः

श्रावण विक्रमी–2080 — July / August - 2023

रवि SUN	सोम MON	मंगल TUE	बुध WED	गुरु THU	शुक्र FRI	शनि SAT
जुलाई 16 श्रावण कृष्ण चतुर्दशी श्रावण–1	जुलाई 17 श्रावण कृष्ण अमावस श्रावण–2	जुलाई 18 अधिक श्रावण शुक्ल एकम श्रावण–3	जुलाई 19 अधिक श्रावण शुक्ल द्वतीया श्रावण–4	जुलाई 20 अधिक श्रावण शुक्ल तृतीया श्रावण–5	जुलाई 21 अधिक श्रावण शुक्ल तृतीया श्रावण–6	जुलाई 22 अधिक श्रावण शुक्ल चतुर्थी श्रावण–7
जुलाई 23 अधिक श्रावण शुक्ल पंचमी श्रावण–8	जुलाई 24 अधिक श्रावण शुक्ल षष्टी श्रावण–9	जुलाई 25 अधिक श्रावण शुक्ल सप्तमी श्रावण–10	जुलाई 26 अधिक श्रावण शुक्ल अष्टमी श्रावण–11	जुलाई 27 अधिक श्रावण शुक्ल नवमी श्रावण–12	जुलाई 28 अधिक श्रावण शुक्ल दशमी श्रावण–13	जुलाई 29 अधिक श्रावण शुक्ल एकादशी श्रावण–14
जुलाई 30 अधिक श्रावण शुक्ल द्वादशी श्रावण–15	जुलाई 31 अधिक श्रावण शुक्ल त्र्योदशी श्रावण–16	अगस्त 1 चतुर्थी का क्षय अधिक श्रावण शुक्ल पूर्णिमा श्रावण–17	अगस्त 2 अधिक श्रावण कृष्ण एकम श्रावण–18	अगस्त 3 अधिक श्रावण कृष्ण द्वतीया श्रावण–19	अगस्त 4 अधिक श्रावण कृष्ण तृतीया श्रावण–20	अगस्त 5 अधिक श्रावण कृष्ण चतुर्थी श्रावण–21
अगस्त 6 अधिक श्रावण कृष्ण पंचमी श्रावण–22	अगस्त 7 षष्टी का क्षय अधिक श्रावण कृष्ण सप्तमी श्रावण–23	अगस्त 8 अधिक श्रावण कृष्ण अष्टमी श्रावण–24	अगस्त 9 अधिक श्रावण कृष्ण नवमी श्रावण–25	अगस्त 10 अधिक श्रावण कृष्ण दशमी श्रावण–26	अगस्त 11 अधिक श्रावण कृष्ण एकादशी श्रावण–27	अगस्त 12 अधिक श्रावण कृष्ण एकादशी श्रावण–28
अगस्त 13 अधिक श्रावण कृष्ण द्वादशी श्रावण–29	अगस्त 14 अधिक श्रावण कृष्ण त्र्योदशी श्रावण–30	अगस्त 15 अधिक श्रावण कृष्ण चतुर्दशी श्रावण–31	अगस्त 16 अधिक श्रावण कृष्ण अमावस श्रावण–32			

आरती श्री हुद्ध माता

ओम जय श्री हुद्ध माता, मैया जय श्री हुद्ध माता।
माँ सरस्वती द्वारा उत्पन्न श्री सती गौरी शिवा।।

1. कैलाश पति संग बैठी, छुए मन को मोहित करे। भगतन के प्रति रक्षा, सुख संपति दाता।। ओम
2. युग युग अवतरति, होके भूमि भार हरे। अपरम पार तेरी लीला, अति रोचक गाथा।। ओम
3. लोक कल्याण के हित में शिव को विवश किया। अमरनाथ गुफा में, श्रवण की अमर कथा।। ओम
4. अनादर देख के शंभू का, अति कुपित हुई माता। हवन कुण्ड में दक्ष के, त्याग दी काया।। ओम
5. क्रोधित हो गए शंभू, कंधा दिया सती को। लगी करने भस्म सृष्टि, शिव की महा ज्वाला।। ओम
6. सुदर्शन चक्र विष्णु ने चलाया, छिन्न–भिन्न अंग किए। कहीं नैना कहीं ज्वाला, अंत में हुद्ध माता।। ओम
7. त्याग और तप के कारण, एक सौ आठ जन्म लिए। हर बार शिव के हाथों, की जीवन यात्रा।। ओम
8. अमृत रूपी त्रिसंध्या, पर्वत शिखर से आती। भवसागर पार हो जाता, जो जल ग्रहण करता।। ओम
9. पर्वत पे विराजित ब्रह्मा, सृष्टि की रचना करे। ब्रह्मसर स्थित निकट में चरणों में दूधा गंगा।। ओम
10. भक्ति भाव से देवी दास आरती है गाता। निर्मल हृदय होके मनवांछित फल पाता।। ओम।।

यात्रा में यात्रियों/श्रद्धालुओं को त्रिसंध्या माता (नदी स्वरूप) के दर्शन व इस में स्नान करने का अवसर मिलता है। यह पवित्र नदी बह्मा पर्वत के सामने एक ऊंचे पर्वत की चोटी से दिन में कभी–कभी तीन बार (प्रातः, दोपहर व सायं) उतरती व बन्द हो जाती है। यह एक प्रकार का विचित्र प्राकृतिक दर्शन है। आप भी जीवन में एक बार यह यात्रा अवश्य करें।

भाद्रपद विक्रमी–2080 — August / September - 2023

रवि SUN	सोम MON	मंगल TUE	बुध WED	गुरु THU	शुक्र FRI	शनि SAT
				अगस्त 17 श्रावण शुक्ल एकम भाद्रपद–1	अगस्त 18 श्रावण शुक्ल द्वतीया भाद्रपद–2	अगस्त 19 श्रावण शुक्ल तृतीया भाद्रपद–3
अगस्त 20 श्रावण शुक्ल चतुर्थी भाद्रपद–4	अगस्त 21 श्रावण शुक्ल पंचमी भाद्रपद–5	अगस्त 22 श्रावण शुक्ल षष्टी भाद्रपद–6	अगस्त 23 श्रावण शुक्ल सप्तमी भाद्रपद–7	अगस्त 24 श्रावण शुक्ल अष्टमी भाद्रपद–8	अगस्त 25 श्रावण शुक्ल नवमी भाद्रपद–9	अगस्त 26 श्रावण शुक्ल दशमी भाद्रपद–10
अगस्त 27 श्रावण शुक्ल एकादशी भाद्रपद–11	अगस्त 28 श्रावण शुक्ल द्वादशी भाद्रपद–12	अगस्त 29 श्रावण शुक्ल त्र्योदशी भाद्रपद–13	अगस्त 30 श्रावण शुक्ल चतुर्दशी भाद्रपद–14	अगस्त 31 श्रावण शुक्ल पूर्णिमा भाद्रपद–15	सितंबर 1 एकम का क्षय भाद्रपद कृष्ण द्वतीया भाद्रपद–16	सितंबर 2 भाद्रपद कृष्ण तृतीया भाद्रपद–17
सितम्बर 3 भाद्रपद कृष्ण चतुर्थी भाद्रपद–18	सितम्बर 4 भाद्रपद कृष्ण पंचमी भाद्रपद–19	सितम्बर 5 भाद्रपद कृष्ण षष्टी भाद्रपद–20	सितम्बर 6 भाद्रपद कृष्ण सप्तमी भाद्रपद–21	सितम्बर 7 भाद्रपद कृष्ण अष्टमी भाद्रपद–22	सितम्बर 8 भाद्रपद कृष्ण नवमी भाद्रपद–23	सितम्बर 9 भाद्रपद कृष्ण दशमी भाद्रपद–24
सितम्बर 10 भाद्रपद कृष्ण एकादशी भाद्रपद–25	सितम्बर 11 भाद्रपद कृष्ण द्वादशी भाद्रपद–26	सितम्बर 12 भाद्रपद कृष्ण त्र्योदशी भाद्रपद–27	सितम्बर 13 भाद्रपद कृष्ण चतुर्दशी भाद्रपद–28	सितम्बर 14 भाद्रपद कृष्ण अमावस भाद्रपद–29	सितम्बर 15 भाद्रपद कृष्ण अमावस भाद्रपद–30	सितम्बर 16 भाद्रपद शुक्ल एकम भाद्रपद–31

मचैल यात्रा	25 जुलाई–31 अगस्त	नाग छड़ी यात्रा	21 अगस्त
स्वतंत्रता दिवस	15 अगस्त	जरघोर यात्रा कल्नू	23–24 अगस्त
		पैठ दरबार यात्रा भटपौरा	24 अगस्त
		रक्षा बंधन	30–31 अगस्त
		जन्माष्टमी व्रत उत्सव	6 सितम्बर
		गौ पूजा दिवस	11 सितम्बर
		कैलाश यात्रा (भद्रवाह)	11–12 सितम्बर

Head Office Contact :
9906245469, 8082239673,
9906192553, 9797565300

Website : www.shreehudhmatayatra.in
Email : shreehudhmata1982@gmail.com
Follow us on : YouTube

Jammu Office Contact :
8082067216, 9419206306
9906479604, 9419300164

श्री हुद्ध माता त्रिसंध्या यात्रा प्रबंधक कमेटी दच्छन किश्तवाड़ (पंजीकृत)

हुद्ध माता कलैन्डर वर्ष 2023-24 (विक्रमी-2080)

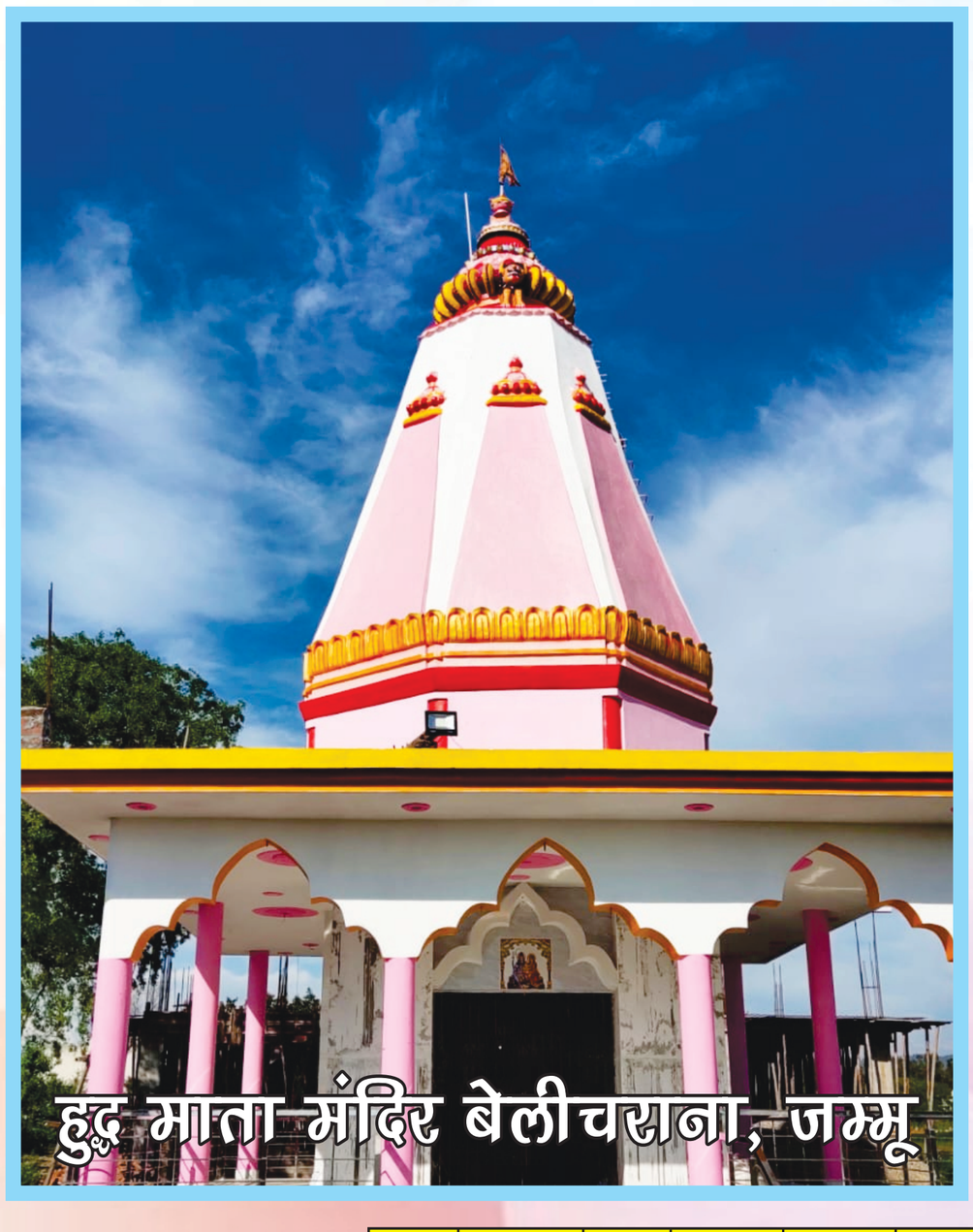

हुद्ध माता मंदिर बेलीचराना, जम्मू

सूर्य नारायण मंदिर, धरांलण कठुआ

मास	संक्राति	एकादशी व्रत	सत्यनारायण व्रत	पूर्णिमा व्रत	अमावस व्रत	पंचक प्रारम्भ	पंचक समाप्त	चंद्र ग्रहण
सितम्बर अक्टूबर	17 सितम्बर	25 सितम्बर	28 सितम्बर	29 सितंबर	14 अक्टूबर	26 सितम्बर 8.28 सांय	30 सितम्बर 09.08 प्रातः	14 अक्टूबर कंकण सूर्य ग्रहण
अक्टूबर नवम्बर	18 अक्टूबर	25 अक्टूबर	28 अक्टूबर	28 अक्टूबर	13 नवंबर	23-24 अक्टूबर 4.23 प्रातः	28 अक्टूबर 7.31 प्रातः	28 अक्टूबर खण्डग्रास चन्द्र ग्रहण

अश्विन विक्रमी-2080 — September / October - 2023

रवि SUN	सोम MON	मंगल TUE	बुध WED	गुरु THU	शुक्र FRI	शनि SAT
सितम्बर 17 भाद्रपद शुक्ल द्वतीया अश्विन-1	सितम्बर 18 भाद्रपद शुक्ल तृतीया अश्विन-2	सितम्बर 19 भाद्रपद शुक्ल चतुर्थी अश्विन-3	सितम्बर 20 भाद्रपद शुक्ल पंचमी अश्विन-4	सितम्बर 21 भाद्रपद शुक्ल षष्टी अश्विन-5	सितम्बर 22 भाद्रपद शुक्ल सप्तमी अश्विन-6	सितम्बर 23 भाद्रपद शुक्ल अष्टमी अश्विन-7
सितम्बर 24 भाद्रपद शुक्ल नवमी अश्विन-8	सितम्बर 25 भाद्रपद शुक्ल दशमी अश्विन-9	सितम्बर 26 एकादशी का क्षय भाद्रपद शुक्ल द्वादशी अश्विन-10	सितम्बर 27 भाद्रपद शुक्ल त्र्योदशी अश्विन-11	सितम्बर 28 भाद्रपद शुक्ल चतुर्दशी अश्विन-12	सितम्बर 29 भाद्रपद शुक्ल पूर्णिमा अश्विन-13	सितम्बर 30 आश्विन कृष्ण एकम अश्विन-14
अक्टूबर 1 आश्विन कृष्ण द्वतीया अश्विन-15	अक्टूबर 2 आश्विन कृष्ण तृतीया अश्विन-16	अक्टूबर 3 चतुर्थी का क्षय आश्विन कृष्ण पंचमी अश्विन-17	अक्टूबर 4 आश्विन कृष्ण षष्टी अश्विन-18	अक्टूबर 5 आश्विन कृष्ण सप्तमी अश्विन-19	अक्टूबर 6 आश्विन कृष्ण सप्तमी अश्विन-20	अक्टूबर 7 आश्विन कृष्ण अष्टमी अश्विन-21
अक्टूबर 8 आश्विन कृष्ण नवमी अश्विन-22	अक्टूबर 9 आश्विन कृष्ण दशमी अश्विन-23	अक्टूबर 10 आश्विन कृष्ण एकादशी अश्विन-24	अक्टूबर 11 आश्विन कृष्ण द्वादशी अश्विन-25	अक्टूबर 12 आश्विन कृष्ण त्र्योदशी अश्विन-26	अक्टूबर 13 आश्विन कृष्ण चतुर्दशी अश्विन-27	अक्टूबर 14 आश्विन कृष्ण अमावस अश्विन-28
अक्टूबर 15 आश्विन शुक्ल एकम अश्विन-29	अक्टूबर 16 आश्विन शुक्ल द्वतीया अश्विन-30					

आरती श्री हुद्ध माता

ओम जय श्री हुद्ध माता, मैया जय श्री हुद्ध माता।
माँ सरस्वती द्वारा उत्पन्न श्री सती गौरी शिवा।।

1. कैलाश पति संग बैठी, छुए मन को मोहित करे। भगतन के प्रति रक्षा, सुख संपति दाता।। ओम
2. युग युग अवतरति, होके भूमि भार हरे। अपरम पार तेरी लीला, अति रोचक गाथा।। ओम
3. लोक कल्याण के हित में शिव को विवश किया। अमरनाथ गुफा में, श्रवण की अमर कथा।। ओम
4. अनादर देख के शंभू का, अति कुपित हुई माता। हवन कुण्ड में दक्ष के, त्याग दी काया।। ओम
5. क्रोधित हो गए शंभू, कंधा दिया सती को। लगी करने भस्म सृष्टि, शिव की महा ज्वाला।। ओम
6. सुदर्शन चक्र विष्णु ने चलाया, छिन्न-भिन्न अंग किए। कहीं नैना कहीं ज्वाला, अंत में हुद्ध माता।। ओम
7. त्याग और तप के कारण, एक सौ आठ जन्म लिए। हर बार शिव के हाथों, की जीवन यात्रा।। ओम
8. अमृत रूपी त्रिसंध्या, पर्वत शिखर से आती। भवसागर पार हो जाता, जो जल ग्रहण करता।। ओम
9. पर्वत पे विराजित ब्रह्मा, सृष्टि की रचना करे। ब्रह्मसर स्थित निकट में चरणों में दूधा गंगा।। ओम
10. भक्ति भाव से देवी दास आरती है गाता। निर्मल हृदय होके मनवांछित फल पाता।। ओम।।

यात्रा में यात्रियों/श्रद्धालुओं को त्रिसंध्या माता (नदी स्वरूप) के दर्शन व इस में स्नान करने का अवसर मिलता है। यह पवित्र नदी बह्मा पर्वत के सामने एक ऊंचे पर्वत की चोटी से दिन में कभी-कभी तीन बार (प्रातः, दोपहर व सायं) उतरती व बन्द हो जाती है। यह एक प्रकार का विचित्र प्राकृतिक दर्शन है। आप भी जीवन में एक बार यह यात्रा अवश्य करें।

कार्तिक विक्रमी-2080 — October / November - 2023

रवि SUN	सोम MON	मंगल TUE	बुध WED	गुरु THU	शुक्र FRI	शनि SAT
		अक्टूबर 17 आश्विन शुक्ल तृतीया कार्तिक-1	अक्टूबर 18 आश्विन शुक्ल चतुर्थी कार्तिक-2	अक्टूबर 19 आश्विन शुक्ल पंचमी कार्तिक-3	अक्टूबर 20 आश्विन शुक्ल षष्टी कार्तिक-4	अक्टूबर 21 आश्विन शुक्ल सप्तमी कार्तिक-5
अक्टूबर 22 आश्विन शुक्ल अष्टमी कार्तिक-6	अक्टूबर 23 आश्विन शुक्ल नवमी कार्तिक-7	अक्टूबर 24 आश्विन शुक्ल दशमी कार्तिक-8	अक्टूबर 25 आश्विन शुक्ल एकादशी कार्तिक-9	अक्टूबर 26 आश्विन शुक्ल द्वादशी कार्तिक-10	अक्टूबर 27 आश्विन शुक्ल त्र्योदशी कार्तिक-11	अक्टूबर 28 चतुर्दशी का क्षय आश्विन शुक्ल पूर्णिमा कार्तिक-12
अक्टूबर 29 कार्तिक कृष्ण एकम कार्तिक-13	अक्टूबर 30 कार्तिक कृष्ण द्वतीया कार्तिक-14	अक्टूबर 31 कार्तिक कृष्ण तृतीया कार्तिक-15	नवम्बर 1 कार्तिक कृष्ण चतुर्थी कार्तिक-16	नवम्बर 2 कार्तिक कृष्ण पंचमी कार्तिक-17	नवम्बर 3 कार्तिक कृष्ण षष्टी कार्तिक-18	नवम्बर 4 कार्तिक कृष्ण सप्तमी कार्तिक-19
नवम्बर 5 कार्तिक कृष्ण अष्टमी कार्तिक-20	नवम्बर 6 कार्तिक कृष्ण नवमी कार्तिक-21	नवम्बर 7 कार्तिक कृष्ण दशमी कार्तिक-22	नवम्बर 8 कार्तिक कृष्ण दशमी कार्तिक-23	नवम्बर 9 कार्तिक कृष्ण एकादशी कार्तिक-24	नवम्बर 10 कार्तिक कृष्ण द्वादशी कार्तिक-25	नवम्बर 11 कार्तिक कृष्ण त्र्योदशी कार्तिक-26
नवम्बर 12 कार्तिक कृष्ण चतुर्दशी कार्तिक-27	नवम्बर 13 कार्तिक कृष्ण अमावस कार्तिक-28	नवम्बर 14 कार्तिक शुक्ल एकम कार्तिक-29	नवम्बर 15 कार्तिक शुक्ल द्वतीया कार्तिक-30			

मैला पट (भद्रवाह)	21-22 सितंबर	पित्र पक्ष समाप्त	14 अक्टूबर
पित्र पक्ष आरंभ	29 सितंबर	शरद नवरात्रे आरंभ	15 अक्टूबर
गांधी जयंती	2 अक्तूबर		

कैलाश यात्रा प्रंगस (दच्छन)	22 अक्टूबर	करवां चौथ	1 नवम्बर
शरद नवरात्रे समाप्त	23 अक्टूबर	गोवत्स द्वादशी	9 नवम्बर
विजय दशमी दशहरा	24 अक्टूबर	धन तेरस	10 नवम्बर
शरद पूर्णिमा	28 अक्टूबर	दीपावली	12 नवम्बर
		भाई दूज	15 नवम्बर

Head Office Contact :
9906245469, 8082239673,
9906192553, 9797565300

Website : www.shreehudhmatayatra.in
Email : shreehudhmata1982@gmail.com
Follow us on : YouTube

Jammu Office Contact :
8082067216, 9419206306
9906479604, 9419300164

श्री हुद्ध माता त्रिसंध्या यात्रा प्रबंधक कमेटी दच्छन किश्तवाड़ (पंजीकृत)

हुद्ध माता कलैन्डर वर्ष 2023-24 (विक्रमी-2080)

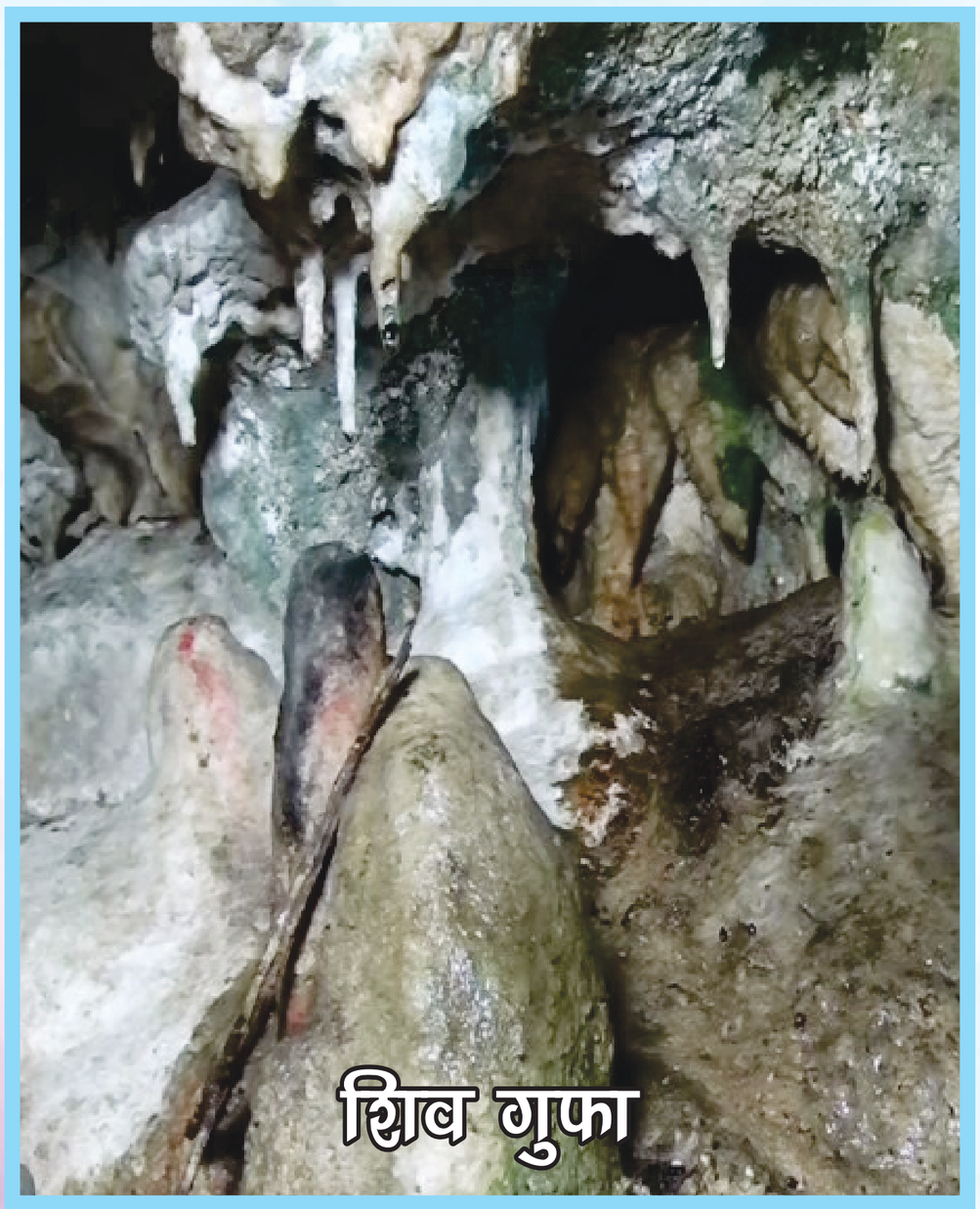

मास	संक्राति	एकादशी व्रत	सत्यनारायण व्रत	पूर्णिमा व्रत	अमावस व्रत	पंचक प्रारम्भ	पंचक समाप्त
नवम्बर दिसम्बर	17 नवंबर	23 नवंबर	26 नवंबर	27 नवंबर	13 नवंबर	20 नवंबर 10.07 प्रातः	24 नवंबर 4.01 सांय
दिसम्बर जनवरी	16 दिसंबर	22 दिसंबर	26 दिसंबर	26 दिसंबर	12 दिसंबर 11 जनवरी	17 दिसंबर 3.45 प्रातः 13 जनवरी 11.35 सांय	21 दिसम्बर 10.09 सांय

मार्गशीष विक्रमी-2080 November / December - 2023

रवि SUN	सोम MON	मंगल TUE	बुध WED	गुरु THU	शुक्र FRI	शनि SAT
				नवम्बर 16 कार्तिक शुक्ल तृतीया मार्गशीष-1	नवम्बर 17 कार्तिक शुक्ल चतुर्थी मार्गशीष-2	नवम्बर 18 कार्तिक शुक्ल पंचमी मार्गशीष-3
नवम्बर 19 कार्तिक शुक्ल षष्टी मार्गशीष-4	नवम्बर 20 सप्तमी का क्षय कार्तिक शुक्ल अष्टमी मार्गशीष-5	नवम्बर 21 कार्तिक शुक्ल नवमी मार्गशीष-6	नवम्बर 22 कार्तिक शुक्ल दशमी मार्गशीष-7	नवम्बर 23 कार्तिक शुक्ल एकादशी मार्गशीष-8	नवम्बर 24 कार्तिक शुक्ल द्वादशी मार्गशीष-9	नवम्बर 25 कार्तिक शुक्ल त्र्योदशी मार्गशीष-10
नवम्बर 26 कार्तिक शुक्ल चतुर्दशी मार्गशीष-11	नवम्बर 27 कार्तिक शुक्ल पूर्णिमा मार्गशीष-12	नवम्बर 28 मार्गशीष कृष्ण एकम मार्गशीष-13	नवम्बर 29 मार्गशीष कृष्ण द्वतीया मार्गशीष-14	नवम्बर 30 मार्गशीष कृष्ण तृतीया मार्गशीष-15	दिसम्बर 1 मार्गशीष कृष्ण चतुर्थी मार्गशीष-16	दिसम्बर 2 मार्गशीष कृष्ण पंचमी मार्गशीष-17
दिसम्बर 3 मार्गशीष कृष्ण षष्टी मार्गशीष-18	दिसम्बर 4 मार्गशीष कृष्ण सप्तमी मार्गशीष-19	दिसम्बर 5 मार्गशीष कृष्ण अष्टमी मार्गशीष-20	दिसम्बर 6 मार्गशीष कृष्ण नवमी मार्गशीष-21	दिसम्बर 7 मार्गशीष कृष्ण दशमी मार्गशीष-22	दिसम्बर 8 मार्गशीष कृष्ण एकादशी मार्गशीष-23	दिसम्बर 9 मार्गशीष कृष्ण द्वादशी मार्गशीष-24
दिसम्बर 10 मार्गशीष कृष्ण त्र्योदशी मार्गशीष-25	दिसम्बर 11 मार्गशीष कृष्ण चतुर्दशी मार्गशीष-26	दिसम्बर 12 मार्गशीष कृष्ण अमावस मार्गशीष-27	दिसम्बर 13 मार्गशीष शुक्ल एकम मार्गशीष-28	दिसम्बर 14 मार्गशीष शुक्ल द्वतीया मार्गशीष-29	दिसम्बर 15 मार्गशीष शुक्ल तृतीया मार्गशीष-30	

गौपाल अष्टमी	20 नवंबर
गुरू नानक जयंती	27 नवंबर

आरती श्री हुद्ध माता

ओम जय श्री हुद्ध माता, मैया जय श्री हुद्ध माता।
माँ सरस्वती द्वारा उत्पन्न श्री सती गौरी शिवा।।

1. कैलाश पति संग बैठी, छुए मन को मोहित करे। भगतन के प्रति रक्षा, सुख संपति दाता।। ओम
2. युग युग अवतरति, होके भूमि भार हरे। अपरम पार तेरी लीला, अति रोचक गाथा।। ओम
3. लोक कल्याण के हित में शिव को विवश किया। अमरनाथ गुफा में, श्रवण की अमर कथा।। ओम
4. अनादर देख के शंभू का, अति कुपित हुई माता। हवन कुण्ड में दक्ष के, त्याग दी काया।। ओम
5. क्रोधित हो गए शंभू, कंधा दिया सती को। लगी करने भस्म सृष्टि, शिव की महा ज्वाला।। ओम
6. सुदर्शन चक्र विष्णु ने चलाया, छिन्न-भिन्न अंग किए। कहीं नैना कहीं ज्वाला, अंत में हुद्ध माता।। ओम
7. त्याग और तप के कारण, एक सौ आठ जन्म लिए। हर बार शिव के हाथों, की जीवन यात्रा।। ओम
8. अमृत रूपी त्रिसंध्या, पर्वत शिखर से आती। भवसागर पार हो जाता, जो जल ग्रहण करता।। ओम
9. पर्वत पे विराजित ब्रह्मा, सृष्टि की रचना करे। ब्रह्मसर स्थित निकट में चरणों में दूधा गंगा।। ओम
10. भक्ति भाव से देवी दास आरती है गाता। निर्मल हृदय होके मनवांछित फल पाता।। ओम।।

यात्रा में यात्रियों/श्रद्धालुओं को त्रिसंध्या माता (नदी स्वरूप) के दर्शन व इस में स्नान करने का अवसर मिलता है। यह पवित्र नदी बह्मा पर्वत के सामने एक ऊंचे पर्वत की चोटी से दिन में कभी-कभी तीन बार (प्रातः, दोपहर व सायं) उतरती व बन्द हो जाती है। यह एक प्रकार का विचित्र प्राकृतिक दर्शन है। आप भी जीवन में एक बार यह यात्रा अवश्य करें।

पौष विक्रमी-2080 December - 2023 / January - 2024

रवि SUN	सोम MON	मंगल TUE	बुध WED	गुरु THU	शुक्र FRI	शनि SAT
						दिसम्बर 16 मार्गशीष शुक्ल चतुर्थी पौष-1
दिसम्बर 17 मार्गशीष शुक्ल पंचमी पौष-2	दिसम्बर 18 मार्गशीष शुक्ल षष्टी पौष-3	दिसम्बर 19 मार्गशीष शुक्ल सप्तमी पौष-4	दिसम्बर 20 मार्गशीष शुक्ल अष्टमी पौष-5	दिसम्बर 21 मार्गशीष शुक्ल नवमी पौष-6	दिसम्बर 22 मार्गशीष शुक्ल दशमी पौष-7	दिसम्बर 23 एकादशी का क्षय मार्गशीष शुक्ल द्वादशी पौष-8
दिसम्बर 24 मार्गशीष शुक्ल त्र्योदशी पौष-9	दिसम्बर 25 मार्गशीष शुक्ल चतुर्दशी पौष-10	दिसम्बर 26 मार्गशीष शुक्ल पूर्णिमा पौष-11	दिसम्बर 27 पौष कृष्ण एकम पौष-12	दिसम्बर 28 पौष कृष्ण द्वतीया पौष-13	दिसम्बर 29 पौष कृष्ण द्वतीया पौष-14	दिसम्बर 30 पौष कृष्ण तृतीया पौष-15
दिसम्बर 31 पौष कृष्ण चतुर्थी पौष-16	जनवरी 1 पौष कृष्ण पंचमी पौष-17	जनवरी 2 पौष कृष्ण षष्टी पौष-18	जनवरी 3 पौष कृष्ण सप्तमी पौष-19	जनवरी 4 पौष कृष्ण अष्टमी पौष-20	जनवरी 5 पौष कृष्ण नवमी पौष-21	जनवरी 6 पौष कृष्ण दशमी पौष-22
जनवरी 7 पौष कृष्ण एकादशी पौष-23	जनवरी 8 पौष कृष्ण द्वादशी पौष-24	जनवरी 9 पौष कृष्ण त्र्योदशी पौष-25	जनवरी 10 पौष कृष्ण चतुर्दशी पौष-26	जनवरी 11 पौष कृष्ण अमावस पौष-27	जनवरी 12 पौष शुक्ल एकम पौष-28	जनवरी 13 पौष शुक्ल द्वतीया पौष-29

गीता जयंती	22 दिसंबर
लोहड़ी	13 जनवरी

Head Office Contact :
9906245469, 8082239673,
9906192553, 9797565300

Website : www.shreehudhmatayatra.in
Email : shreehudhmata1982@gmail.com
Follow us on : YouTube

Jammu Office Contact :
8082067216, 9419206306
9906479604, 9419300164

श्री हुद्ध माता त्रिसंध्या यात्रा प्रबंधक कमेटी दच्छन किशतवाड़ (पंजीकृत)

हुद्द माता कलैन्डर वर्ष 2023–24 (विक्रमी–2080)

प्राचीन त्रिशूल, अनंतनाला

हुद्द माता दरबार

मास	संक्राति	एकादशी व्रत	सत्यनारायण व्रत	पूर्णिमा व्रत	अमावस व्रत	पंचक प्रारम्भ	पंचक समाप्त
जनवरी फरवरी	15 जनवरी	21 जनवरी	24 जनवरी	25 जनवरी	9 फरवरी	10 फरवरी 10.02 प्रातः	17–18 जनवरी 3.33 प्रातः 14 फरवरी 10.43 प्रातः
फरवरी मार्च	13 फरवरी	20 फरवरी	23 फरवरी	24 फरवरी	10 मार्च	8 मार्च 9.20 रात्री	12 मार्च 8.29 सांय

माघ विक्रमी–2080 — January / February - 2024

रवि SUN	सोम MON	मंगल TUE	बुध WED	गुरु THU	शुक्र FRI	शनि SAT
जनवरी 14 पौष शुक्ल तृतीया माघ–1	जनवरी 15 पौष शुक्ल पंचमी चतुर्थी का क्षय माघ–2	जनवरी 16 पौष शुक्ल षष्टी माघ–3	जनवरी 17 पौष शुक्ल सप्तमी माघ–4	जनवरी 18 पौष शुक्ल अष्टमी माघ–5	जनवरी 19 पौष शुक्ल नवमी माघ–6	जनवरी 20 पौष शुक्ल दशमी माघ–7
जनवरी 21 पौष शुक्ल एकादशी माघ–8	जनवरी 22 पौष शुक्ल द्वादशी माघ–9	जनवरी 23 पौष शुक्ल त्र्योदशी माघ–10	जनवरी 24 पौष शुक्ल चतुर्दशी माघ–11	जनवरी 25 पौष शुक्ल पूर्णिमा माघ–12	जनवरी 26 माघ कृष्ण एकम माघ–13	जनवरी 27 माघ कृष्ण द्वतीया माघ–14
जनवरी 28 माघ कृष्ण तृतीया माघ–15	जनवरी 29 माघ कृष्ण चतुर्थी माघ–16	जनवरी 30 माघ कृष्ण चतुर्थी माघ–17	जनवरी 31 माघ कृष्ण पंचमी माघ–18	फरवरी 1 माघ कृष्ण षष्टी माघ–19	फरवरी 2 माघ कृष्ण सप्तमी माघ–20	फरवरी 3 माघ कृष्ण अष्टमी माघ–21
फरवरी 4 माघ कृष्ण नवमी माघ–22	फरवरी 5 माघ कृष्ण दशमी माघ–23	फरवरी 6 माघ कृष्ण एकादशी माघ–24	फरवरी 7 माघ कृष्ण द्वादशी माघ–25	फरवरी 8 माघ कृष्ण त्र्योदशी माघ–26	फरवरी 9 माघ कृष्ण चतुर्दशी माघ–27	फरवरी 10 माघ शुक्ल एकम अमावस का क्षय माघ–28
फरवरी 11 माघ शुक्ल द्वतीया माघ–29	फरवरी 12 माघ शुक्ल तृतीया माघ–30					

मकर संक्राती	14 जनवरी	गौरी तृतीया	12 फरवरी
गणतंत्र दिवस	26 जनवरी		
शिव चतुर्दशी व्रत	7–9 फरवरी		

आरती श्री हुद्द माता

ओम जय श्री हुद्ध माता, मैया जय श्री हुद्ध माता।
माँ सरस्वती द्वारा उत्पन्न श्री सती गौरी शिवा।।

1. कैलाश पति संग बैठी, छुए मन को मोहित करे।
भगतन के प्रति रक्षा, सुख संपति दाता।। ओम
2. युग युग अवतरति, होके भूमि भार हरे।
अपरम पार तेरी लीला, अति रोचक गाथा।। ओम
3. लोक कल्याण के हित में शिव को विवश किया।
अमरनाथ गुफा में, श्रवण की अमर कथा।। ओम
4. अनादर देख के शंभू का, अति कुपित हुई माता।
हवन कुण्ड में दक्ष के, त्याग दी काया।। ओम
5. क्रोधित हो गए शंभू, कंधा दिया सती को।
लगी करने भस्म सृष्टि, शिव की महा ज्वाला।। ओम
6. सुदर्शन चक्र विष्णु ने चलाया, छिन्न–भिन्न अंग किए।
कहीं नैना कहीं ज्वाला, अंत में हुद्ध माता।। ओम
7. त्याग और तप के कारण, एक सौ आठ जन्म लिए।
हर बार शिव के हाथों, की जीवन यात्रा।। ओम
8. अमृत रूपी त्रिसंध्या, पर्वत शिखर से आती।
भवसागर पार हो जाता, जो जल ग्रहण करता।। ओम
9. पर्वत पे विराजित ब्रह्मा, सृष्टि की रचना करे।
ब्रह्मसर स्थित निकट में चरणों में दूधा गंगा।। ओम
10. भक्ति भाव से देवी दास आरती है गाता।
निर्मल हृदय होके मनवांछित फल पाता।। ओम।।

यात्रा में यात्रियों/श्रद्धालुओं को त्रिसंध्या माता (नदी स्वरूप) के दर्शन व इस में स्नान करने का अवसर मिलता है। यह पवित्र नदी बह्मा पर्वत के सामने एक ऊंचे पर्वत की चोटी से दिन में कभी–कभी तीन बार (प्रातः, दोपहर व सायं) उतरती व बन्द हो जाती है। यह एक प्रकार का विचित्र प्राकृतिक दर्शन है। आप भी जीवन में एक बार यह यात्रा अवश्य करें।

फाल्गुन विक्रमी–2080 — February / March - 2024

रवि SUN	सोम MON	मंगल TUE	बुध WED	गुरु THU	शुक्र FRI	शनि SAT
		फरवरी 13 माघ शुक्ल चतुर्थी फाल्गुन–1	फरवरी 14 माघ शुक्ल पंचमी फाल्गुन–2	फरवरी 15 माघ शुक्ल षष्टी फाल्गुन–3	फरवरी 16 माघ शुक्ल सप्तमी फाल्गुन–4	फरवरी 17 माघ शुक्ल अष्टमी फाल्गुन–5
फरवरी 18 माघ शुक्ल नवमी फाल्गुन–6	फरवरी 19 माघ शुक्ल दशमी फाल्गुन–7	फरवरी 20 माघ शुक्ल एकादशी फाल्गुन–8	फरवरी 21 माघ शुक्ल द्वादशी फाल्गुन–9	फरवरी 22 माघ शुक्ल त्र्योदशी फाल्गुन–10	फरवरी 23 माघ शुक्ल चतुर्दशी फाल्गुन–11	फरवरी 24 माघ शुक्ल पूर्णिमा फाल्गुन–12
फरवरी 25 फाल्गुन कृष्ण एकम फाल्गुन–13	फरवरी 26 फाल्गुन कृष्ण द्वतीया फाल्गुन–14	फरवरी 27 फाल्गुन कृष्ण तृतीया फाल्गुन–15	फरवरी 28 फाल्गुन कृष्ण चतुर्थी फाल्गुन–16	फरवरी 29 फाल्गुन कृष्ण पंचमी फाल्गुन–17	मार्च 1 फाल्गुन कृष्ण षष्टी फाल्गुन–18	मार्च 2 फाल्गुन कृष्ण षष्टी फाल्गुन–19
मार्च 3 फाल्गुन कृष्ण सप्तमी फाल्गुन–20	मार्च 4 फाल्गुन कृष्ण अष्टमी फाल्गुन–21	मार्च 5 फाल्गुन कृष्ण नवमी फाल्गुन–22	मार्च 6 फाल्गुन कृष्ण एकादशी दशमी का क्षय फाल्गुन–23	मार्च 7 फाल्गुन कृष्ण द्वादशी फाल्गुन–24	मार्च 8 फाल्गुन कृष्ण त्र्योदशी फाल्गुन–25	मार्च 9 फाल्गुन कृष्ण चतुर्दशी फाल्गुन–26
मार्च 10 फाल्गुन कृष्ण अमावस फाल्गुन–27	मार्च 11 फाल्गुन शुक्ल एकम फाल्गुन–28	मार्च 12 फाल्गुन शुक्ल द्वतीया फाल्गुन–29	मार्च 13 फाल्गुन शुक्ल चतुर्थी तृतीया का क्षय फाल्गुन–30			

बसंत पंचमी	14 फरवरी	कोड़ सतम	3 मार्च
भीषम	16 फरवरी	शिव बारात झांकी	7 मार्च
दायमकाश व्रत	19–21 फरवरी	महा शिवरात्री	8 मार्च
माल पूर्णिमा	24 फरवरी	वटक पूजा	8 मार्च
डिंचल शयम	2 मार्च	डूनी अमावस	10 मार्च

Head Office Contact :
9906245469, 8082239673,
9906192553, 9797565300

Website : www.shreehudhmatayatra.in
Email : shreehudhmata1982@gmail.com
Follow us on : YouTube

Jammu Office Contact :
8082067216, 9419206306
9906479604, 9419300164

श्री हुद्ध माता त्रिसंध्या यात्रा प्रबंधक कमेटी दच्छन किश्तवाड़ (पंजीकृत)

हुद्ध माता कलैन्डर वर्ष 2024 (विक्रमी–2080)

मास	संक्राति व्रत	एकादशी व्रत	सत्यनारायण व्रत	पूर्णिमा व्रत	अमावस व्रत	पंचक प्रारम्भ	पंचक समाप्त	ग्रहण
मार्च अप्रैल	14 मार्च	20 मार्च	24 मार्च	25 मार्च	8 अप्रैल	5 अप्रैल 7.12 प्रातः	9 अप्रैल 7.32 प्रातः	खणास सूर्य ग्रहण 8 अप्रैल
अप्रैल मई								

चैत्र विक्रमी–2080 — March / April - 2024

रवि SUN	सोम MON	मंगल TUE	बुध WED	गुरु THU	शुक्र FRI	शनि SAT
				मार्च 14 फाल्गुन शुक्ल पंचमी चैत्र–1	मार्च 15 फाल्गुन शुक्ल षष्टी चैत्र–2	मार्च 16 फाल्गुन शुक्ल सप्तमी चैत्र–3
मार्च 17 फाल्गुन शुक्ल अष्टमी चैत्र–4	मार्च 18 फाल्गुन शुक्ल नवमी चैत्र–5	मार्च 19 फाल्गुन शुक्ल दशमी चैत्र–6	मार्च 20 फाल्गुन शुक्ल एकादशी चैत्र–7	मार्च 21 फाल्गुन शुक्ल द्वादशी चैत्र–8	मार्च 22 फाल्गुन शुक्ल त्र्योदशी चैत्र–9	मार्च 23 फाल्गुन शुक्ल त्र्योदशी चैत्र–10
मार्च 24 फाल्गुन शुक्ल चतुर्दशी चैत्र–11	मार्च 25 फाल्गुन शुक्ल पूर्णिमा चैत्र–12	मार्च 26 चैत्र कृष्ण एकम चैत्र–13	मार्च 27 चैत्र कृष्ण द्वतीया चैत्र–14	मार्च 28 चैत्र कृष्ण तृतीया चैत्र–15	मार्च 29 चैत्र कृष्ण चतुर्थी चैत्र–16	मार्च 30 चैत्र कृष्ण पंचमी चैत्र–17
मार्च 31 चैत्र कृष्ण षष्टी चैत्र–18	अप्रैल 1 चैत्र कृष्ण सप्तमी चैत्र–19	अप्रैल 2 चैत्र कृष्ण अष्टमी चैत्र–20	अप्रैल 3 चैत्र कृष्ण नवमी चैत्र–21	अप्रैल 4 चैत्र कृष्ण दशमी चैत्र–22	अप्रैल 5 चैत्र कृष्ण एकादशी चैत्र–23	अप्रैल 6 चैत्र कृष्ण द्वादशी चैत्र–24
अप्रैल 7 चैत्र कृष्ण त्र्योदशी चैत्र–25	अप्रैल 8 चैत्र कृष्ण चतुर्दशी का क्षय अमावस चैत्र–26					

स्वँताह 14 मार्च

आरती श्री हुद्ध माता

ओम जय श्री हुद्ध माता, मैया जय श्री हुद्ध माता।
माँ सरस्वती द्वारा उत्पन्न श्री सती गौरी शिवा।।

1. कैलाश पति संग बैठी, छुए मन को मोहित करे। भगतन के प्रति रक्षा, सुख संपति दाता।। ओम
2. युग युग अवतरति, होके भूमि भार हरे। अपरम पार तेरी लीला, अति रोचक गाथा।। ओम
3. लोक कल्याण के हित में शिव को विवश किया। अमरनाथ गुफा में, श्रवण की अमर कथा।। ओम
4. अनादर देख के शंभू का, अति कुपित हुई माता। हवन कुण्ड में दक्ष के, त्याग दी काया।। ओम
5. क्रोधित हो गए शंभू, कंधा दिया सती को। लगी करने भस्म सृष्टि, शिव की महा ज्वाला।। ओम
6. सुदर्शन चक्र विष्णु ने चलाया, छिन्न–भिन्न अंग किए। कहीं नैना कहीं ज्वाला, अंत में हुद्ध माता।। ओम
7. त्याग और तप के कारण, एक सौ आठ जन्म लिए। हर बार शिव के हाथों, की जीवन यात्रा।। ओम
8. अमृत रूपी त्रिसंध्या, पर्वत शिखर से आती। भवसागर पार हो जाता, जो जल ग्रहण करता।। ओम
9. पर्वत पे विराजित ब्रह्मा, सृष्टि की रचना करे। ब्रह्मसर स्थित निकट में चरणों में दूधा गंगा।। ओम
10. भक्ति भाव से देवी दास आरती है गाता। निर्मल हृदय होके मनवांछित फल पाता।। ओम।।

यात्रा में यात्रियों/श्रद्धालुओं को त्रिसंध्या माता (नदी स्वरूप) के दर्शन व इस में स्नान करने का अवसर मिलता है। यह पवित्र नदी बह्मा पर्वत के सामने एक ऊंचे पर्वत की चोटी से दिन में कभी–कभी तीन बार (प्रातः, दोपहर व सायं) उतरती व बन्द हो जाती है। यह एक प्रकार का विचित्र प्राकृतिक दर्शन है। आप भी जीवन में एक बार यह यात्रा अवश्य करें।

Head Office Contact :
9906245469, 8082239673,
9906192553, 9797565300

Website : www.shreehudhmatayatra.in
Email : shreehudhmata1982@gmail.com
Follow us on : YouTube

Jammu Office Contact :
8082067216, 9419206306
9906479604, 9419300164

श्री हुद्ध माता त्रिसंध्या यात्रा प्रबंधक कमेटी दच्छन किश्तवाड़ (पंजीकृत)

हुद्द माता कलैन्डर वर्ष 2024 (विक्रमी–2080)

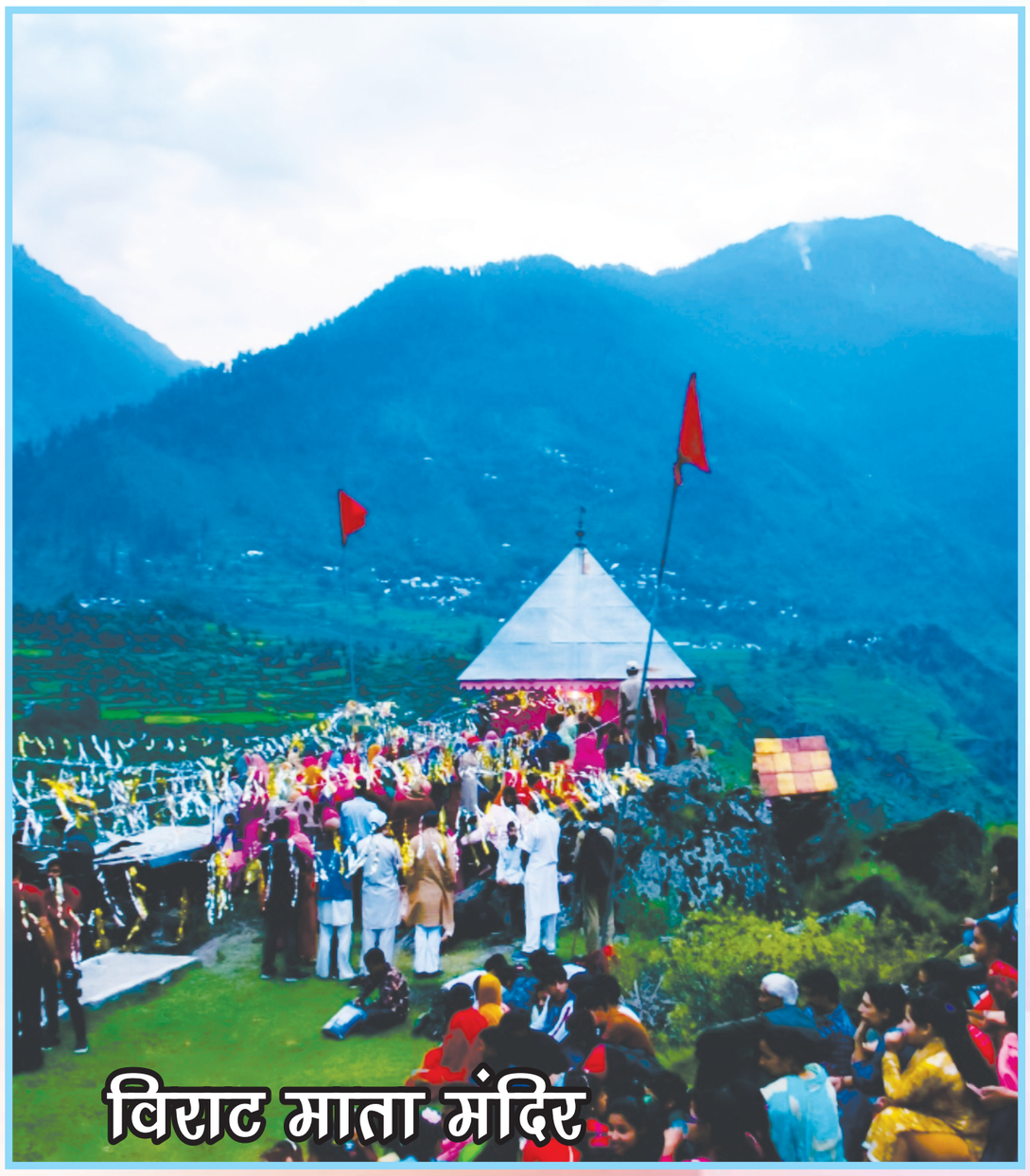

विराट माता मंदिर

शिव मंदिर, अनंतनाला

सत्तरच्न हुद्दलड़

Head Office Contact :
9906245469, 8082239673,
9906192553, 9797565300

Website : www.shreehudhmatayatra.in
Email : shreehudhmata1982@gmail.com

Follow us on :

Jammu Office Contact :
8082067216, 9419206306
9906479604, 9419300164